बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में स्थित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। इसे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा वर्ष २०१५ में 'ए' श्रेणी प्रदान किया गया। यह विश्वविद्यायल उच्च शिक्षा के एक उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में विकास की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालय उसके अधिनियम और विषयों में निहित है। विश्वविद्यालय के उद्देश्य इस प्रकार हैं- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के जीवन दर्शन के द्वारा सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय एकता पर आधारित अध्ययन और सिद्धांतो को बढ़ावा देना। अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना कला, साहित्य, विज्ञान और प्रौद्यौगिकी विषयों में एकीकृत पाठयक्रम द्वारा उन्नत ज्ञान को बढ़ावा देना। अतंर-अनुशासक अध्ययन और अनुसंधान के क्षेत्र में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में नवाचारो को बढ़ावा देना।

विश्वविद्यालय परिसर तेजी से प्रगति की ओर उन्मुख है और साथ ही विभिन्न आधुनिक सुविधाओ से समृद्व है। जैसे- डाकघर, बैंक, विद्युत गृह, छात्रावास, अतिथि गृह, स्वास्थ्य केन्द्र, शिक्षक-कर्मचारी आवास, संगणक केन्द्र, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यको के लिए कोचिंग सेंटर, आवासीय कोंचिग अकादमी, प्लेसमेंट सेल, महिला सेल, आरटीआई सेल, अनुसूचित जाति-जनजाति सेल, लीगल ऐड क्लीनिक और बस शटल सेवा आदि।

विश्वविद्यालय में छात्र गतिविधि केन्द्र जो छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए स्थापित हो रहा है इसमें भविष्य का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही इसे छात्रों के गतिविधयों के लिए संचालित किया जायेगा। इसके साथ-साथ एक पुरूष एवं एक महिला छात्रावास का निर्माण प्रगति पर है।

राष्ट्र निर्माण में शैक्षिक संस्थानों को योगदान : भविष्यवादी दृष्टिकोण

समावेशी विकास के लिए उच्च शिक्षा अत्यन्त ही आवश्यक है हमारा राष्ट्र बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास के साथ-साथ शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास में बहुत उन्नति किया है। परन्तु भारत के समावेशी विकास के लिए तब तक एकांगी है जब तक कि इसकी गति को बनाए रखने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण की एक मजबूत प्रणाली उच्च शिक्षा के संस्थाओं के माध्यम से प्रशिक्षित मानव संसाधन की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित न कर सके। इसीलिए भारत और इसकी शिक्षा प्रणाली के बारे में आशावादी दृष्टिकोण के साथ-साथ एक सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए शैक्षिक संस्थानों के योगदान के ऊपर चिंतन करने का यह अत्यन्त ही उपयुक्त समय है। भारत की ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में विकास के लिए सरकार ने कौशल विभाग योजना, डिजिटल इंडिया इत्यादि योजनाएं प्रारम्भ की हैं।

जो केवल उच्च शैक्षिक संस्थानों के सहयोग से ही अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकती है क्योंकि इन कार्यक्रम के उदेद्श्यों की पूर्ति प्रतिभाशाली और प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता पर निर्भर है। एक नवीनतम रिर्पोट के आधार पर कहा जा रहा कि भारतीय छात्रों में नियोजनीयता की कमी है। इस कमी को दूर करने के लिए सरकार ने उच्च शैक्षिक संस्थानों में अनुसंधान, नवाचार, विशेष रूप से 'Out of Box Idea' के महत्व पर बल दिया है। समकालीन समय की बदलती हुई अवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों की अहम भूमिका है जो सरकार के साथ मिलकर समावेशी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए रोजगार प्रदान करने की चुनौती को पूरा कर सकती है।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य विभिन्न विषयों में शोधार्थियों एवं विद्वतजनों के द्वारा राष्ट्र निर्माण में उच्च शैक्षिक संस्थानो के योगदान के बारे में विमर्श एवं भविष्य हेतु एक रूपरेखा निर्धारित करना है। अतः विश्वास है कि आप सब की उपस्थिति इस मंथन को सफल बनाएगी।

इस संगोष्ठी हेतु निम्नलिखित विषयों पर शोध पत्र आमंत्रित किये जाते हैं-

प्रस्तावित उपविषय

- **शिक्षा एवं उद्यमिता समावेशी दृष्टिकोण**
- **सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों में प्रतिमान विस्थापन (Paradigm Sift) : शैक्षिक संस्थानों की भूमिका**
- **विज्ञान एवं तकनीकी विकास : रोजगारोन्मुखी दृष्टिकोण**

उपरोक्त में अतिरिक्त संबंधित अन्य विषयों पर भी शोध पत्र प्रस्तुत किये जा सकते है।

शोध–प्रपत्र–प्रस्तुत शोध पत्र सारांश (Abstract) दिनांक **06 जनवरी, 2020** तक **ई–मेल** : seminarbbau1011@gmail.com पर भेजे जा सकते है। ताकि शोध संक्षिप्तका (Souvenir) का विमोचन कार्यक्रम के समय किया जा सके।

नोटः– संगोष्ठी के उपरांत चयनित आलेखों का प्रकाशन ISBN साहित पुस्तकाकार के रूप में किया जायेगा।

प्रस्तावित कार्यक्रम

10 जनवरी, 2020

उद्घाटन समारोह : 10:30 से 12:30 बजे तक

भोजनावकाश : 12:30 से 01:30 बजे तक

प्रथम अकादमिक सत्र (विशेष व्याख्यान) 01:30 से 02:30 बजे तक

द्वितीय अकादमिक सत्र 02:30 से 04:00 बजे तक

पुरातन छात्रों की स्मृतियां 04:00 से 05:00 बजे तक

सांस्कृतिक कार्यक्रम 05:30 से 06:30 बजे तक

11 जनवरी, 2020

तृतीय सत्र 09:00 से 10:30 बजे तक

चुतर्थ अकादमिक सत्र 10:30 से 12:00 बजे तक

समापन समारोह 12:00 से 01:00 बजे तक

भोजन 01:00 से 02:00 बजे

पंजीकरण–प्रपत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी

(10–11 जनवरी 2020)

विषयः राष्ट्र निर्माण में शैक्षिक संस्थानों का योगदान : भविष्यवादी दृष्टिकोण

नाम :.....

पद का नाम : .....

विश्वविद्यालय : .....

पताः :.....

ई–मेल :.....

मोबाइल न0::.....

शोध पत्र का शीर्षक :.....

.....

विभाग :.....

पाठ्यक्रम :.....

सत्र :.....

धनराशि :.....

पंजीकरण शुल्क समस्त प्रतिभागियों के लिए 500/– मात्र है। पंजीयन शुल्क **NATIONAL SEMINAR BBAU** के पक्ष मे केनरा बैंक, बी.बी.ए.यू. शाखा के खाता सं0–**2900101015157** IFSC Code **CNRB0002900** पर RTGS/NEFT के माध्यम से भी जमा किया जा सकता है।

नोट– प्रतिभागियो के भोजन एवं आवास की सुविधा विश्वविद्यालय के द्वारा की जायेगी।

दिनांक..... हस्ताक्षर

आयोजन समिति सदस्य

प्रो. डी. पी. सिंह

प्रो. आर. पी. सिंह

प्रो. कमल जायसवाल

प्रो. रिपू सूदन सिंह

प्रो. प्रीती सक्सेना

प्रो. शुभिनी ए. सराफ

प्रो. सनातन नायक

प्रो. गोपाल सिंह

प्रो. सुदर्शन वर्मा

प्रो. डी. आर. मोदी

प्रो. अरबिन्द कुमार झा

प्रो. बी.बी. मलिक

प्रो. नवीन अरोडा

प्रो. मधुलिका दूबे

प्रो. शिल्पी वर्मा

डॉ. यू.वी. किरण

डॉ. शरद सोनकर

डॉ. संजीव कुमार चड्ढा

डॉ. महेन्द्र कुमार पाधी

डॉ. रचना गंगवार

डॉ. राशिदा अतहर

डॉ. अनिल कुमार यादव

डॉ. तरूणा

डॉ. मनोज कुमार

डॉ. जीवन सिंह

सम्पर्क

प्रो0 आर0बी0 राम– 9415790511

डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव– 9451087259

डॉ. नरेन्द्र कुमार– 9918527968

डॉ. लता बाजपेयी सिंह– 9899666257

डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय– 9452798148

बी.बी.ए.यू.के 24वें, स्थापना वर्षगांठ पर आयोजित पुरातन छात्र समागम समारोह **(Alumni Meet)**

एवं

राष्ट्रीय संगोष्ठी

(10-11 जनवरी, 2020)

विषय : राष्ट्र निर्माण में शैक्षिक संस्थानों का योगदान : भविष्यवादी दृष्टिकोण

(Contribution of Educational Institutions in Nation Building : A Futuristic Approach)

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करुणा
ESTABLISHED 1996

संरक्षक

प्रो० संजय सिंह

कुलपति

संयोजक

प्रो. आर. बी. राम

आयोजन सचिव

डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव

सह.आयोजन सचिव

डॉ. नरेन्द्र कुमार

सह.आयोजन सचिव

डॉ. लता बाजपेयी सिंह

सह.आयोजन सचिव

डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय

आयोजक

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विद्या विहार, रायबरेली रोडए लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226025

कार्यक्रम स्थल

भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी सभागार, बी.बी.ए.यू.,लखनऊ